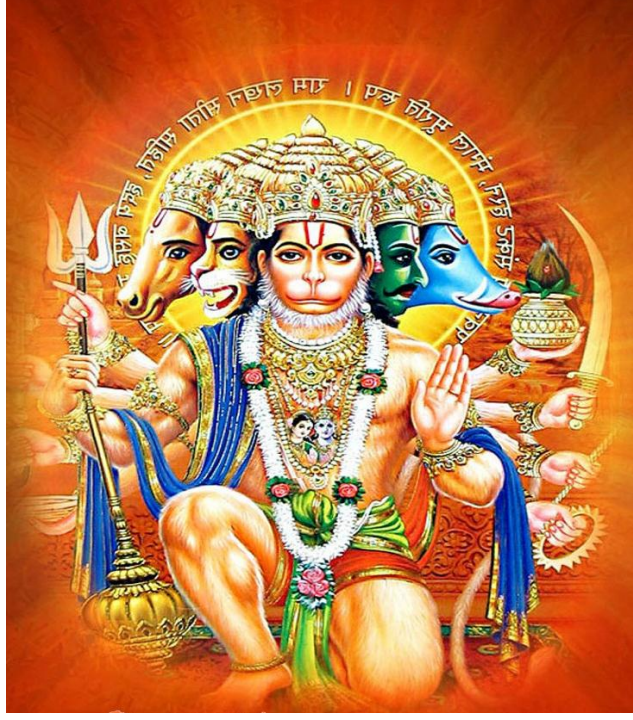


मंगल मूर्ति मारुती नंदन



मंगल मूर्ति मारुती नंदन, सकल अमंगल मूल निकंदन ।
पवन तने संतान हितकारी, हृदय विराजत अवध बिहारी ।
मात पिता गुरु गणपति शारदा, शिवा समेत शम्भू शुक नरदा ।
चरण कमल बंदउ सब कहु, देहु रामपद नेहु निभाहु ।
जय जय जय हनुमान गोसाई, कृपा करो गुरुदेव की नाइ ।
बंदउ राम लखन बैदेही, यह तुलसी के परम सनेही ॥

(Tune- Mangal Bhawan...)